अनुक्रमांक [redacted] 2

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 16

नाम अंकित पटेल

102 302(CX)

2019

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

खंड–क

1\. (क) 'विचार प्रवाह' के लेखक हैं : 1

(i) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

(iv) प्रतापनारायण मिश्र

Scanned with CamScanner

(ख) 'मैला आँचल' किसका उपन्यास है ? 1

(i) वृन्दावनलाल वर्मा

(ii) भगवतीचरण वर्मा

(iii) फणीश्वरनाथ रेणु

(iv) मुंशी प्रेमचन्द

(ग) 'प्रताप' पत्रिका के सम्पादक हैं : 1

(i) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(ii) मुंशी प्रेमचन्द

(iii) गणेश शंकर विद्यार्थी

(iv) बदरीनारायण चौधरी

(घ) हिन्दी एकांकी का जनक किसे माना जाता है ? 1

(i) जयशंकर प्रसाद

(ii) डॉ. रामकुमार वर्मा

(iii) किशोरीलाल गोस्वामी

(iv) राधाकृष्ण

(ङ) 'जनमेजय का नागयज्ञ' नाटक के रचनाकार हैं : 1

(i) हरिकृष्ण प्रेमी

(ii) आचार्य चतुरसेन शास्त्री

(iii) जयशंकर प्रसाद

(iv) सेठ गोविंददास

Scanned with CamScanner

2. (क) 'कीर्तिलता' के रचनाकार हैं : 1

(i) शारंगधर

(ii) दलपति

(iii) जगनिक

(iv) विद्यापति

(ख) 'हरिऔध' जी की कृति नहीं है : 1

(i) 'चोखे चौपदे'

(ii) 'प्रियप्रवास'

(iii) 'वैदेही वनवास'.

(iv) 'चित्राधार'

(ग) 'साहित्य लहरी' के रचयिता हैं : 1

(i) तुलसीदास

(ii) सूरदास

(iii) कबीर

(iv) आचार्य केशवदास

(घ) हिन्दी साहित्य में किस काल को 'स्वर्णयुग' कहा जाता है ? 1

(i) 'आदिकाल'

(ii) 'भक्तिकाल'

(iii) 'रीतिकाल'

(iv) 'आधुनिक काल'

Scanned with CamScanner

(ङ) इनमें से किस समय-सीमा को 'द्विवेदी युग' के नाम से जाना जाता है ? 1

(i) सन् १८६८ से १९०० ई. तक

(ii) सन् १९१९ से १९३८ ई. तक

(iii) सन् १९०० से १९२२ ई. तक

(iv) सन् १९३८ से १९४३ ई. तक

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 5 = 10$

निन्दा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है। मनुष्य अपनी हीनता से दबता है। वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट हैं और वह उनसे अच्छा है। उसके अहं की इससे तुष्टि होती है। बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है। ज्यों-ज्यों कर्म क्षीण होता जाता है, त्यों-त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है। कठिन कर्म ही ईर्ष्या-द्वेष और इससे उत्पन्न निन्दा को मारता है। इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है; क्योंकि वह निठल्ला है। स्वर्ग में देवताओं को बिना उगाया अन्न, बे-बनाया महल और बिन-बोये फल मिलते हैं। अकर्मण्यता में उन्हें अप्रतिष्ठित होने का भय बना रहता है, इसलिए कर्मी मनुष्यों से उन्हें ईर्ष्या होती है।

(i) निन्दा का उद्‌गम किससे होता है ?

(ii) देवताओं को कर्मी मनुष्यों से क्यों ईर्ष्या होती है ?

(iii) कर्म के क्षीण होने पर किसकी प्रवृत्ति बढ़ जाती है ?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

अथवा

Scanned with CamScanner

अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जिनता भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी, उसके रक्त के संसार कणों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामंत उखड़ गए और दिनोत्सव की धूमधाम भी मिट गई।

(i) सामन्त सभ्यता की परिष्कृत रुचि का प्रतीक कौन है ?

(ii) लाखों करोड़ों की उपेक्षा से कौन समृद्ध हुई थी ?

(iii) आज उस सामंती सभ्यता की क्या स्थिति है ?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक तथा लेखक का नामोल्लेख कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 × 5 = 10**

चाँदनी रात का प्रथम प्रहर
हम चले नाव लेकर सत्वर
सिकता की सस्मित सीपी पर
मोती की ज्योत्स्ना रही विचर
लो पालें चढ़ीं, उठा लंगर।
मृदु मंद–मंद मंथर मंथर
लघु तरणि हंसिनी सी सुन्दर
तिर रही खोल पालों के पर
निश्चल जल के शुचि दर्पण पर
प्रतिबिम्बित हो रजत पुलिन निर्भर
दुहरे ऊँचे लगते क्षण भर
काला काँकर का राजभवन
सोया जल में निश्चिन्त प्रमन
पलकों पर वैभव स्वप्न सघन

Scanned with CamScanner

(i) कवि नौका विहार हेतु किस समय प्रस्थान करते हैं ?

(ii) रात्रि में गंगा नदी की रेती की शोभा कैसी लग रही थी ?

(iii) 'लघु तरणि हंसिनी सी सुन्दर' में कौन सा अलंकार है ?

(iv) रेखांकित पद्यांश की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक तथा कवि का नाम बताइए।

अथवा

समर्पण लो सेवा का सार
  सजल संसृति का यह पतवार;
आज से यह जीवन उत्सर्ग
  इसी पद तल में विगत विकार।
<u>बनो संसृति के मूल रहस्य</u>
  <u>तुम्हीं से फैलेगी यह बेल;</u>
विश्वभर सौरभ से भर जाय
  सुमन के खेलो सुन्दर खेल।

(i) 'समर्पण लो सेवा का सार' किसने किससे कहा है ?

(ii) 'बनो संसृति के मूल रहस्य' किसके लिए कहा गया है ?

(iii) 'विश्वभर सौरभ से भर जाय' का क्या आशय है ?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का नाम तथा रचयिता का उल्लेख कीजिए।

Scanned with CamScanner

5. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) **2 + 2 = 4**

(i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी

(iii) हरिशंकर परसाई

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का नाम लिखें : (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) **2 + 2 = 4**

(i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iii) महादेवी वर्मा

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। **4**

अथवा

'लाटी' या 'ध्रुवयात्रा' कहानी की कथा संक्षेप में लिखिए। (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द)

7. स्वपठित नाटक के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) **4**

(i) 'राजमुकुट' नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

अथवा

नाटक के नायक महाराणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Scanned with CamScanner

(ii) 'कुहासा' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'कुहासा' नाटक के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(iii) 'आन का मान' नाटक के आधार पर दुर्गादास का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आन का मान' नाटक के कथानक को संक्षेप में लिखिए ।

(iv) 'गरुडध्वज' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'गरुडध्वज' नाटक के नायक विक्रम मित्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(v) 'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर उसकी कथावस्तु पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक के आधार पर परशुराम का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Scanned with CamScanner

8. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (शब्द सीमा अधिकतम 80 शब्द) 4

(i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अभिशाप' सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(iii) 'मुक्ति यज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'मुक्ति यज्ञ' के आधार पर उसके नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'त्यागपथी' के आधार पर 'दिवाकर मित्र' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

Scanned with CamScanner

(v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(vi) 'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'आलोक वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

खंड-ख

9. (क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7

सा शकुनिसंघे अवलोकयन्ती मणिवर्णग्रीवं चित्रप्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्यभाषत। मयूरः 'अद्यापि मे तावन्बलं न पश्यसि' इति अतिगर्वेण लज्जां च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसंघस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान्। नृत्यन् चाप्रतिच्छन्नोऽभूत्। सुवर्ण राजहंसः लज्जितः 'अस्य नैव ह्रीः अस्ति न बर्हाणाम् समुत्थाने लज्जा नास्मै गतत्रपाय स्वदुहितरं दास्यामि।

अथवा

Scanned with CamScanner

अयं प्रयागे एव संस्कृतपाठशालायाम् राजकीय विद्यालये म्योर सेन्ट्रल महाविद्यालये च शिक्षां प्राप्य अत्रैव राजकीय विद्यालये अध्यापनम् आरब्धवान् । युवक मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्ण भाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत् । अतः अस्य सुहृढः तं प्राड्विवाक पदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवां कर्त्तुं प्रेरितवन्तः । तदनुसारम् अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्थे उच्चन्यायालये प्राड्विवाककर्म कर्त्तुमारभत् ।

(ख) दिए गए पद्यांशों/श्लोकों में से किसी एक का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए । 2 + 5 = 7

न मे रोचते भद्रं वः उलूकस्याभिषेचनम् ।
अक्रुद्धस्य मुखं पश्य कथं क्रुद्धो भविष्यति ।।

अथवा

परोक्षे कार्यं हन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।
वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ।।

10. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) अपना उल्लू सीधा करना

(ii) हाथ–पाँव मारना

(iii) आ बैल मुझे मार

(iv) अंक लगाना

Scanned with CamScanner

11. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'तथापि' का संधि-विच्छेद है : 1

(A) तथ + पि

(B) तथा + अपि

(C) त + थापि

(D) तथ् + अपि

(ii) 'परमेश्वरः' का संधि-विच्छेद है : 1

(A) पर + ईश्वरः

(B) परम + एश्वरः

(C) परम + ईश्वरः

(D) परे + मेश्वरः

(iii) 'गायकः' का संधि-विच्छेद है : 1

(A) ग + आयकः

(B) गा + यकः

(C) गै + अकः

(D) गाय + कः

Scanned with CamScanner

(ख) (i) 'राजनि' में विभक्ति और वचन है : 1

(A) षष्ठी विभक्ति एकवचन

(B) सप्तमी विभक्ति एकवचन

(C) पंचमी विभक्ति बहुवचन

(D) पंचमी विभक्ति एकवचन

(ii) 'सर्वेषाम्' में विभक्ति और वचन है : 1

(A) षष्ठी विभक्ति एकवचन

(B) सप्तमी विभक्ति बहुवचन

(C) षष्ठी विभक्ति बहुवचन

(D) चतुर्थी विभक्ति बहुवचन

12. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) वसन–व्यसन 1

(A) विवश और व्याकुल

(B) कवच और भोजन

(C) वस्त्र और आदत

(D) विस्तार और अवधि

Scanned with CamScanner

(ii) अम्बुज–अम्बुद 1

(A) बादल और समुद्र

(B) जल और कमल

(C) कमल और बादल

(D) समुद्र और कमल

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) अम्बर

(ii) विधि

(iii) नाग

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जो आँखों के सामने हो 1

(A) नेत्र सम्मुख

(B) प्रत्यक्ष

(C) आँख के आगे

(D) प्रत्येक आँख

Scanned with CamScanner

(ii) जानने की इच्छा रखने वाला 1

(A) जानकार

(B) ज्ञानी

(C) जिज्ञासु

(D) बुद्धिमान्

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) तुम तो कुर्सी में बैठे हैं ।

(ii) इस सरोवर में अनेकों कमल खिले हैं ।

(iii) सम्मेलन में कवित्री ने भाग लिया ।

(iv) कृपया अवकाश देने की कृपा करें ।

13. (क) वीर रस **अथवा** हास्य रस की परिभाषा उदाहरण के साथ प्रस्तुत कीजिए । 1 + 1 = 2

(ख) श्लेष **अथवा** उत्प्रेक्षा अलंकार का लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

(ग) दोहा **अथवा** सोरठा छन्द का मात्रा सहित लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए । 1 + 1 = 2

Scanned with CamScanner

14. रोजगार करने के लिए बैंक से ऋण प्राप्ति हेतु बैंक के प्रबन्धक को आवेदन–पत्र लिखिए। **2 + 4 = 6**

अथवा

किसी कार्यालय में लिपिक पद में नियुक्ति हेतु कार्यालय अधीक्षक को सम्बोधित करते हुए आवेदन प्रस्तुत कीजिएं।

15. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** पर अपनी भाषा–शैली में निबन्ध लिखिए : **2 + 7 = 9**

(i) स्वच्छता अभियान : जन जन का कल्याण

(ii) आतंकवाद समस्या और समाधान

(iii) कम्प्यूटर विज्ञान की आवश्यकता

(iv) भारत में समाचार–पत्रों की भूमिका

(v) देशाटन से लाभ

Scanned with CamScanner